Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

B.A. I YEAR PRIVATE

2020-21

Subject cod	Subject Nature	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Music***			
C1-101	History & development of Indian Music	100%	100	33%
C1-102	Applied Principal of Indian Music	100%	100	33%
C1-103	Practical one (with nss camp)	100%	100	33%
Group-B	Elective open-1 LITERATURE any one following for teaching availability (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)			
E1-101	THEORY-1	100%	100	33%
E1-102	THEORY-2	100%	100	33%
	Elective open-2- SOCIAL SCIENCE			
	any one following for teaching availability (HISTORY/PHILOSOPHY)			
E2-101	THEORY-I	100%	100	33%
E2-102	THEORY-II	100%	100	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE (Compulsory)***			
F-HM-101	HINDI & MORAL VALUES - I	100%	35	33%
F-HM-102	ENGLISH LANGUAGE - II	100%	35	33%
F-HM-103	ENTREPRENEURSHIP - III	100%	30	33%

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. प्रथम वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)
(Science of Music/ संगीत का विज्ञान)
2020–2021

समय :–3 घण्टे पूर्णांक :–100

इकाई–1

1. संगीतापयागो ध्वनि –
   तीवत्रा, तारता, गुण, कालमान, उक्त सन्दर्भ में कंपन, कम्प विस्तार, आवृत्ति, उपस्वर, का परिचय।
2. संगीत, नाद, श्रुति, स्वर (शुद्ध, विकृत, चल, अचल), वादी, संवादी, अनुवादी बाइस श्रतियों में वर्तमान सप्तक की स्वर स्थापना, सप्तक (मंद्र, मध्य, तार), अष्टक, पूर्वांग, उत्तरांग, वर्ण, अलंकार, (पल्टा), स्थायी, अन्तरा, संचारी आभोग की परिभाषा।

इकाई–2

1. राग एवं थाट की परिभाषा व उनका तुलनात्मक अध्ययन, दस थाटों के नाम व स्वर,
2. आश्रयराग, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्जित स्वर, आरोह–अवरोह, राग स्वरूप (पकड), राग की जाति (आडैव, षाडव व सम्पूर्ण) का अध्ययन।

इकाई–3

1. ध्रुपद, धमार, ख्याल, तराना, चतुरंग, लक्षणगीत, स्वरमलिका (सरगम) मसीतखानी व रजाखानी गत का परिचय।
2. शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत एवं लोक संगीत का ज्ञान तथा भजन गीत, गजल, होरी का परिचय एवं महत्व।

इकाई–4

1. गायक के परिक्षार्थियों के लिए तानपुरा तथा वाद्य के परिक्षार्थियों के लिए अपने–अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवों का सचित्र वर्णन। साथ ही उनके तारों को विभिन्न स्वरों में मिलाने की जानकारी।
2. संगीत में शिक्षण की विधि। गुरू षिष्य परंपरा एवं महाविद्यालय संगीत षिक्षा का तुलनात्मक विवेचन।

इकाई–5

1. गायन और वादक के गुण–दोष, काकू आदि शब्द भेद का (संगीत रत्नाकर के आधार पर) अध्ययन।
2. पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे, अमीर खुसरो, राजा मानसिंह तोमर, स्वामी हरिदास एवं तानसेन का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका यागेदान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. प्रथम वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
(गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिद्वांत/ Applied Principles of Indian Music)

समय :–3 घण्टे पूर्णांक :–100

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के राग, यमन, भरैव, भूपाली, खमाज, काफी, वृन्दावनी, सारंग, दुर्गा, बिलावल या अल्हैया बिलावल का शास्त्रीय परिचय एवं तुलानात्मक अध्ययन

इकाई–2

1. निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास–
   (अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–
   पाठ्यक्रम के रागों यमन, भैरव, भूपाली, खमाज, काफी, वृन्दावनीसारंग, दुर्गा, बिलावल या अल्हैया बिलावल में स्वरमालिका और लक्षणगीत।
   (ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–
   पाठ्यक्रम के रागों में से किसी राग में एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना (आलाप तथा तानों, ताडों सहित)

इकाई–3

1. लय (विलम्बित, मध्य, द्रुत), ठाह, दुगुन, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, ठेका, आवर्तन की जानकारी।
2. तबले का संक्षिप्त परिचय। तबले की बनावट व उसके विभिन्न अंगों का सचित्र वर्णन।

इकाई–4

1. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल और धमार, तालों का परिचय ठाह सहित ताल–लिपि में लेखन।
2. मींड, कण, खटका मुर्की, आलाप, तान, बाले (मिजराब/जवा के बोल) प्रहार (आकर्ष/अपकर्ष), सूत, ज़मज़मा, और तोड़ो का पारिभाषिक परिचय।

इकाई–5

1. पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि तथा तालिपि का परिचय।
2. लगभग 400 शब्दों में संगीत संबधी किसी विषय पर निबंध।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. प्रथम वर्ष (स्वाध्यायी पाठ्यक्रम)
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः– प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demostration & Viva)

समय :–30 मिनिट पूर्णांक :–100

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं किन्हीं दो थाटों में दस–दस अलंकारों का अभ्यास। गायन के विद्यार्थियों हेतु पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका और लक्षणगीत का गायन।
2. पाठ्यक्रम के राग– यमन, भैरव, भूपाली, खमाज, काफी, वृन्दावनीसारंग, दुर्गा, बिलावल या अल्हैया बिलावल।
   अ. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल/रज़ाखानी गत/मध्यलय रचना का पांच तानों सहित प्रदर्षन।
   ब. पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद तथा एक तराने का गायन अथवा किसी एक राग में तीनताल से भिन्न अन्य ताल में रचना का अपने वाद्य पर प्रदर्शन।
3. आकाशवाणी द्वारा मान्य वन्दे मातरम्/भजन/देशभक्ति गीत का स्वरलय में गायन अथवा वादन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।
4. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन– त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल एवं धमार तथा त्रिताल की दुगुन का अभ्यास।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. प्रथम वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक :–2 Stage Performance
(प्रायोगिक :–2 मंच प्रदर्शन)

समय : 20 मिनिट पूर्णांक :–100

कल्चरल एक्टिविटीज जैसे– सरस्वती वंदना, गणेष वंदना, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत देषभक्ति गीत, छाटो ख्याल, लक्षण गीत, सरगम गीत आदि की मंच प्रस्तुति।

सदंर्भ ग्रंथः

. 1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे

2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे

3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन

4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग

5. सितार मलिका – श्री भगवत षरण षर्मा ‘

6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – पं. श्री रामाश्रय झा

7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र पराजंपे

8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र

9. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग

10. चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट

11. संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन

12. राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी

13. संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा

14. प्रणव भारती भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

15. संगीतांजली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

B.A. II YEAR PRIVATE

2020-21

Subject cod	Subject Nature	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Music***			
C1-101	History & development of Indian Music	100%	100	33%
C1-102	Applied Principal of Indian Music	100%	100	33%
C1-103	Practical one (with nss camp)	100%	100	33%
Group-B	Elective open-1 LITERATURE any one following for teaching availability (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)			
E1-101	THEORY-1	100%	100	33%
E1-102	THEORY-2	100%	100	33%
	Elective open-2- SOCIAL SCIENCE			
	any one following for teaching availability (HISTORY/PHILOSOPHY)			
E2-101	THEORY-I	100%	100	33%
E2-102	THEORY-II	100%	100	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE (Compulsory)***			
F-HM-101	HINDI & MORAL VALUES - I	100%	35	33%
F-HM-102	ENGLISH LANGUAGE - II	100%	35	33%
F-HM-103	ENVIRONMENTAL STUDY - III	100%	30	33%
	GRAND Total Credits & Hours			

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. द्वितीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)
(संगीत का विज्ञान/ Science of Music1)

समय :–3 घण्टे पूर्णांक :–100

इकाई–1

1. टोन, मेजर टोन, माइनर टोन, समीटोन, अनुनाद, डोल, उपस्वर (स्वयंभु स्वर), प्रतिध्वनि, तरंगमान तथा तरंग वेग, ग्रंथि–प्रतिग्रंथि, स्वर अंतराल प्रमुख स्वर संवादो का अध्ययन।
2. स्केल–नेचुरल स्केल, डायटोनिक स्केल तथा टेम्पर्ड स्केल।

इकाई–2

1. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक सप्तकों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. पूर्वांग–उत्तरांग राग। वादी, संवादी स्वर से राग गायन के समय का सबंध, संधिप्रकाश राग, अध्वदर्षक स्वर, परमेले, प्रवेषक राग की जानकारी।

इकाई–3

1. राग के ग्रह आदि दस लक्षण। आविर्भाव, तिरोभाव, नायकी, गायकी, वाग्गेयकार की परिभाषा लक्षण एवं प्रकार।
2. गमक की परिभाषा और उसके प्रकार।

इकाई–4

1. मुगल काल से अब तक का संगीत का संक्षिप्त इतिहास।
2. स्दारंग–अदारंग, गोपाल नायक, बैजू बख्शू हस्सू हद्दू खाँ, भास्कर बुआ बखले, बाबा अलाउद्दीन खाँ, उ. हाफिज अली खाँ एवं उ. इनायत खाँ तथा पं. पन्नालाल घोष का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

इकाई–5

1. तत् (तंत्री), अवनद्ध, घन एवं सुषिर वाद्य वर्गीकरण का अध्ययन।
2. वितत् वाद्य का स्पष्टीकरण। गायन के विद्यार्थी के लिए तानपूरा का एवं वाद्य के विद्यार्थी हेतु अपने–अपने वाद्य का संक्षिप्त ऐतिहासिक अध्ययन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. द्वितीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
(गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिद्वांत/Applied Principles of Indian Music 2)

समय :–3 घण्टे पूर्णांक :–100

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के राग – बागेश्री, बिहाग भीमपलासी, आसावरी, कामोद, केदार, देश, भैरवी, हमीर और पटदीप। विगत वर्ष के रागों का तुलनात्मक अध्ययन–

इकाई–2

2. निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –

- पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित ख्याल। (आलाप तथा तानों सहित)
- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक मध्यलय ख्याल। (आलाप तथा तानों सहित)

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थिया के लिए –

- पाठ्यक्रम के किन्ही पांच रागों में आलाप, तानों/ताडो सहित) एक–एक अथवा मसीतखानी गत।
- पाठ्यक्रम के रागों में एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना। (आलाप तथा तानो/तोडों सहित)

इकाई–3

1. तान की परिभाषा एवं तान के प्रकार।
2. बोल आलाप, बोलतान, कृन्तन, जोड़, झाला, तारपरन तथा लागडाट की परिभाषा ।

इकाई–4

1. विगत वर्ष के पाठ्यक्रम की तालों के साथ तिलवाड़ा रूपक, तीव्रा तथा सूलताल के ठेकों का ज्ञान एवं दुगनु, चौगुन में लिखने का अभ्यास।
2. ठुमरी, कजरी, चैती और कव्वाली का परिचय।

इकाई–5

1. पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर स्वरलिपि व ताललिपि पद्धति का परिचय।
2. संगीत संबंधी विषय पर लगभग 400 शब्दो में निबंध लेखन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. द्वितीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः– 1 प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration & Viva Voice)

समय :–30 मिनिट पूर्णांक :–100

1. पाठ्यक्रम के राग– बागेश्री, बिहाग, भीमपलासी, आसावरी, कामोद केदार, देस, भैरवी, हमीर और पटदीप। विगत वर्ष के पाठ्यक्रम के रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन।
   अ. पाठ्यक्रम के किन्ही पाँच रागों में आलाप–तान सहित एक–एक विलम्बित ख्याल का गायन अथवा तंत्रकारी सहित मसीतखानी गत का वादन।

   ब. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत/तान–तोड़ों सहित प्रदर्शन।

   स. पाठ्यक्रम के विभिन्न रागों मे एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन चौगुन सहित) तथा एक तराना का गायन अथवा पाठ्यक्रम के किसी एक राग मे तीनताल से भिन्न अन्य ताल में रचना का तानों सहित अपने वाद्य पर प्रदर्शन।

   द. गायन के विद्यार्थी हेतु पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका, लक्षण गीत का गायन।

2. भजन/देशभक्ति गोत या सुगम संगीत की रचना का स्वरलय में गायन अथवा वाद्य पर प्रदर्शन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।

3. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह एवं दुगुल में बोलकर प्रदर्शन– त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाड़ा, रूपक, तीव्रा तथा सूलताल।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. द्वितीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः–2 मंच प्रदर्शन
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) (Stage Performance)

समय :–20 मिनिट पूर्णांक :–100

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग रचना का (विस्तृत गायकी/तन्त्रकारी सहित) प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये सुगम संगीत पर आधारित रचना अथवा धुन का प्रदर्शन।

सदंर्भ ग्रंथः

1.	हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6	–	पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2.	संगीत प्रवीण दर्शिका	–	श्री एल. एन. गुणे
3.	संगीत शास्त्र दर्पण	–	श्री शांति गोवर्धन
4.	संगीत विशारद	–	श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5.	सितार मलिका	–	श्री भगवतषरण षर्मा
6.	अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5	–	प. श्री रामाश्रय झा
7.	संगीत बोध	–	श्री शरदचन्द्र परांजपे
8.	सगीत वाद्य	–	श्री लालमणि मिश्र
9.	हमारे सगीत रत्न	–	श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.	चतुरंग	–	श्री सज्जनलाल भट्ट
11.	सगीत शास्त्र	–	श्री तुलसीराम देवांगन
12.	राग शास्त्र	–	डॉ. गीता बैनर्जी
13.	संगीत मणि	–	डॉ. महारानी शर्मा
14.	प्रणव भारती भाग 1 से 7	–	पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.	संगीतांजली भाग 1 से 7	–	पं. ओमकारनाथ ठाकुर

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

B.A. III YEAR PRIVATE

2020-21

Subject cod	Subject Nature	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Music***			
C1-101	History & development of Indian Music	100%	100	33%
C1-102	Applied Principal of Indian Music	100%	100	33%
C1-103	Practical one (with nss camp)	100%	100	33%
Group-B	Elective open-1 LITERATURE any one following for teaching availability (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)			
E1-101	THEORY-1	100%	100	33%
E1-102	THEORY-2	100%	100	33%
	Elective open-2- SOCIAL SCIENCE			
	any one following for teaching availability (HISTORY/PHILOSOPHY)			
E2-101	THEORY-I	100%	100	33%
E2-102	THEORY-II	100%	100	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE (Compulsory)***			
F-HM-101	HINDI & MORAL VALUES - I	100%	35	33%
F-HM-102	ENGLISH LANGUAGE - II	100%	35	33%
F-HM-103	BASIC OF COMPUTER - III	100%	30	33%
	GRAND Total Credits & Hours			

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. तृतीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)
(संगीत का विज्ञान/Science of Music 1)

समय :–3 घण्टे पूर्णांक :–100

इकाई–1

1. गांधर्व गान, निबद्ध और अनिबद्ध गान, रागालाप, रूपकालाप, रागालप्ति, रूपकालप्ति, स्वस्थान नियम का आलाप।
2. मार्गी–देशी का गान।

इकाई–2

1. ग्राम–मूर्च्छना।
2. भरत एवं शारंगदेव की श्रुति स्वर व्यवस्था तथा भरत की सारणा–चतुष्टायी।

इकाई–3

1. वीणा के तार पर पं. अहाबेल द्वारा शुद्ध–विकृत स्वरों की स्थापना विधि एवं पं. श्री निवास द्वारा उसका स्पष्टीकरण।
2. ग्राम राग, देशीराग का वर्गीकरण, राग रागिनी वर्गीकरण का परिचय।

इकाई–4

1. थाट–राग वर्गीकरण तथा शुद्ध, छायालग, और संकीर्ण राग वर्गीकरण का अध्ययन।
2. पं. व्यंकटमखी के 72 मेल, उत्तर भारतीय सगीत में एक सप्तक से 32 थाटों की निर्माण विधि एवं एक थाट से 484 रागों की उत्पत्ति।

इकाई–5

1. घराने की परिभाषा एवं स्पष्टीकरण। ख्याल के ग्वालियर, आगरा, दिल्ली, पटियाला, जयपुर और किराना घरानो का सामान्य परिचय तथा सेनिया घराने की सामान्य जानकारी।
2. उ.फैयाज खॉ. अब्दुल करीम खॉ. पं.डी.वी. पलुष्कर, उ.अल्लादिया खॉ., पं. गजाननराव जोशी, पं. रविशंकर, उं. विलायत खाँ, पं. वी.जी. जोग, उ. बिस्मिलाह खाँ और पं. हरिप्रसाद चौरसिया का जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. तृतीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
(गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिद्वांत/Applied Principles of Indian Music)

समय :–3 घण्टे पूर्णांक :–100

इकाई–1

1. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचय एवं पिछले पाठ्यक्रम के रागों का तुलनात्मक अध्ययन– जैजैवन्ती, मालकौस, जौनपुरी, छायानट, बहार, तोड़ी, रामकली, तिलककामोद और पूरियाधनाश्री।

इकाई–2

2. निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।
(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–
   - पाठ्यक्रम के रागों में (आलाप तथा तानो सहित) विलम्बित ख्याल।
   - पाठ्यक्रम के रागों आलाप – तान सहित एक मध्यलय ख्याल।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

   - पाठ्यक्रम के रागों में आलाप तथा तोडे सहित मसीतखानी गत।
   - पाठ्यक्रम के रागों में आलाप तथा ताडे एक मध्यलय तथा रजाखानी गत।

इकाई–3

1. आड, कुआड, लय (पूर्व पाठ्यक्रम की तालों सहित) की जानकारी।
2. आड़ाचौताल, दीपचंदी तथा झूमरा तालों का परिचय उन्हे तिगुन, चौगुन में लिखने का अभ्यास।

इकाई–4

1. पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि के अतिरिक्त भारत में प्रचलित अन्य स्वरलिपियो का सामान्य ज्ञान।
2. स्टाफ नोटेशन (स्वरलिपि) पद्धति का सामान्य परिचय। स्टाफ नोटेषन स्वरलिपि में पाठ्यक्रम के रागों के आरोह–अवरोह व पकड़ का लेखन।

इकाई–5

1. हार्मनी और मेलाडी का सामान्य अध्ययन।
2. लगभग 500 शब्दो में सगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. तृतीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः– 1 प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demostration & Viva Voice)

समय :–30 मिनिट पूर्णांक :–100

1. पाठ्यक्रम के राग–जैजैवन्ती, मालकौस, जौनपुरी, पूरिया, छायानट, बहार, तोडी, बसन्त, रामकली, तिलककामोद और पूरियाधनाश्री के साथ विगत वर्षो के रागों की तुलना।

   अ. पाठ्यक्रम के किन्हीं छः रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल (आलाप–तान सहित) का गायन अथवा विलम्बित रचना/मसीतखानी गत (गायकी अथवा तंत्रकारी सहित) का प्रदर्शन।

   ब. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत/मध्यलय रचना का पाँच तानों सहित प्रस्तुति।
   स. पाठ्यक्रम के विभिन्न रागों में एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन, तिगुन व चौगुन सहित) तथा एक तराना का गायन। अथवा किसी एक राग में तीनताल से पृथक ताल मे रचना का गायकी अथवा तंत्रकारी सहित प्रस्तुतिकरण।
2. भजन/देशभक्ति गीत या सुगम संगीत की रचना का स्वरलय में गायन अथवा वाद्य पर प्रदर्शन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुतोकरण।
3. विगत वर्षो के पाठ्यक्रम की तालों सहित निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर बोलकर प्रदर्शन–
   अ. आडाचौताल, दीपचंदी एवं झूमरा तालों की ठाह दुगुन एवं चौगुन।
   ब. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा का तिगुन में प्रदर्शन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. तृतीय वर्ष (स्वध्यायी पाठ्यक्रम)
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः–2 मंच प्रदर्शन
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक 2 **(Stage Performance)**

समय :–20 मिनिट पूर्णांक :–100

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग रचना का (विस्तृत गायकी/तन्त्रकारी भजन सहित) प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये ध्रुपद/धमार में से किसी एक की गायकी अथवा किसी एक रचना की तन्त्रकारी के साथ प्रस्तुति।
3. अपने वाद्य को मिलाने का अभ्यास।

संदर्भ ग्रंथ :–

1.	हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6	–	पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2.	संगीत प्रवीण दर्शिका	–	श्री एल. एन. गुणे
3.	संगीत शास्त्र दर्पण	–	श्री शांति गोवर्धन
4.	संगीत विशारद	–	श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5.	सितार मलिका	–	श्री भगवतषरण षर्मा
6.	अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5	–	पं. श्री रामाश्रय झा
7.	संगीत बोध	–	श्री शरदचन्द्र परांजपे
8.	संगीत वाद्य	–	श्री लालमणि मिश्र
9.	हमारे संगीत रत्न	–	श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.	चतुरंग	–	श्री सज्जनलाल भट्ट
11.	संगीत शास्त्र	–	श्री तुलसीराम देवांगन
12.	राग शास्त्र	–	डॉ. गीता बैनर्जी
13.	संगीत मणि	–	डॉ. महारानी शर्मा
14.	प्रणव भारती भाग 1 से 7	–	पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15.	संगीतांजली भाग 1 से 7	–	पं. ओमकारनाथ ठाकुर